Roll No. .....
Signature of Invigilator .....

Paper Code
BD-102

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

Examination March – 2021

B.A. Darshan, Semester : First
दर्शन : प्रश्न-पत्र : द्वितीय
सांख्य दर्शन

Time: 3 Hours **Max. Marks: 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खंडों क, तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड-क
(दीघ-उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पांच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(3×15=45)**

1. "मूल प्रकृति" जगत् का उपादान कारण है? प्रमाण सहित सिद्ध करें।
2. इन्द्रियों की उत्पत्ति एवं स्वरूप का प्रमाणपूर्वक वर्णन करें।
3. सांख्यदर्शनानुसार भूतचैतन्यवाद का प्रमाणपूर्वक खण्डन करें।
4. शरीरादि से व्यतिरिक्त आत्मा है। प्रमाणपूर्वक सिद्ध करें।
5. सांख्याभिमत सिद्धान्त सत्कार्यवाद का निरूपण करें।

खण्ड-ख
(लघु-उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में सात (07) लघु उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **पांच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(5×5=25)**

1. सांख्यदर्शन की दृष्टि में कुल कितने तत्व है? प्रमाणसहित बताइये।
2. सांख्यदर्शनानुसार कितनी प्रकार तुष्टियां हैं? संक्षिप्त वर्णन करें।
3. प्रकृति की प्रवृति का क्या प्रयोजन है? प्रमाणपूर्वक उल्लेख करें।
4. "रूपैः सप्तभिरात्मानं बध्नाति प्रधानं कोशकारवद्विमोचत्येकेनरूपेण" दिये हुए सूत्र की व्याख्या विस्तार सहित करें।
5. शास्त्रों में प्रमाणों का प्रयोजन क्या है?
6. सांख्यदर्शनानुसार "स्वस्थ" कौन है? प्रमाणपूर्वक उल्लेख करें।
7. सांख्य दृष्ट्या "अत्यन्त पुरूषार्थ" क्या है? प्रमाण देकर समझाइये।

----------x----------